भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

26.03.2025 के

अतारांकित प्रश्न सं. 4155 का उत्तर

रेलवे द्वारा अर्जित राजस्व/उठाया गया घाटा

4155. श्रीमती मंजू शर्मा:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) रेलवे द्वारा वर्तमान वर्ष सहित विगत तीन वर्षों के दौरान अर्जित राजस्व/उठाए गए घाटे का वर्षवार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या रेलवे ने इस बारे में प्रमुख घाटे वाले क्षेत्रों/सेक्टर संबंधी आकलन किया है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या रेलवे द्वारा राजस्व बढ़ाने के लिए कोई लक्ष्य निर्धारित किया गया है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): पिछले तीन वर्षों के दौरान भारतीय रेल की आमदनी और व्यय का ब्यौरा निम्नानुसार हैः

वित्त वर्ष	राजस्व प्राप्तियां (करोड़ रु. में)	राजस्व व्यय (करोड़ रु. में)
2022-23	2,40,177	2,37,660
2023-24	2,56,093	2,52,834
2024-25 (संशोधित अनुमान)	2,79,000	2,77,659

sk

मुख्य व्यय कार्मिक लागत, पेंशन, ऊर्जा खपत आदि पर किया जाता है।

भारतीय रेल द्वारा समाज के सभी वर्गों के लिए किफायती सेवाएं प्रदान करने का प्रयास किया जाता है। वर्ष 2023-24 के दौरान भारतीय रेल में यात्री सेवाओं की लागत और यात्री सेवाओं पर दी गई सब्सिडी निम्नानुसार है:-

1 कि.मी. के लिए 1 यात्री के परिवहन की लागत	1.38 रुपए
1 कि.मी. के लिए टिकट का मूल्य	0.73 रुपए
टिकटों पर सब्सिडी	0.65 रुपए (47%)
पैसेंजर सेवाओं के लिए कुल सब्सिडी	60,466 करोड़ रुपए (अनंतिम)

सामाजिक सेवा दायित्वों की दृष्टि से, भारतीय रेल द्वारा गैर-आर्थिक शाखा लाइनों, सामरिक लाइनों का परिचालन आवश्यक पण्यों के परिवहन आदि पर करती हैं।

बेहतर सेवाएं मुहैया कराने और यात्री खंड से आमदनी को बढ़ाने के दृष्टिकोण से विभिन्न पहलकदमियों को शुरू किया गया है, जिसमें ऑनबोर्ड क्षमता का संवर्धन, बेहतर सुविधाओं और सेवाओं वाली वंदे भारत, अमृत भारत, नमो भारत रैपिड रेल जैसी नई रेलगाड़ियां शुरू करना शामिल हैं।

******